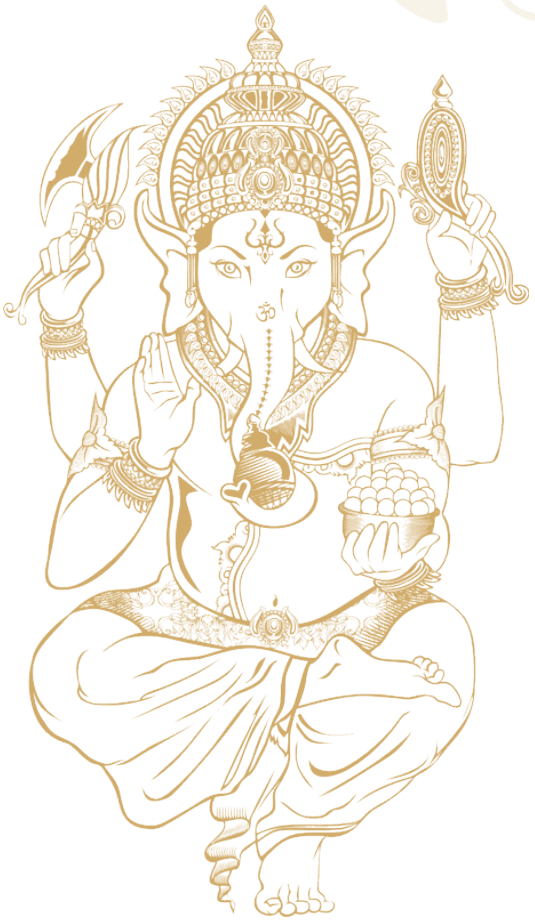

Aa

20 Jan 2026

05:58 PM

Hathras

Model: web-freekundliweb

Order No: 121054002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20/01/2026**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**17:58:00 घंटे**
इष्ट	27:02:05 घटी
स्थान	**Hathras**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:36:00 उत्तर
रेखांश	78:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:40:08 घंटे
वेलान्तर	-00:10:57 घंटे
साम्पातिक काल	01:39:44 घंटे
सूर्योदय	07:09:09 घंटे
सूर्यास्त	17:48:53 घंटे
दिनमान	10:39:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	06:13:55 मकर
लग्न के अंश	09:02:15 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सिद्धि
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	गा-गगन
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	09:02:15	308:32:37	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
सूर्य			मक	06:13:55	01:01:05	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			मक	25:55:16	12:48:49	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	सम राशि
मंगल		अ	मक	03:32:40	00:46:41	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	उच्च राशि
बुध		अ	मक	05:29:02	01:40:09	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	सम राशि
गुरु	व		मिथु	24:31:56	00:07:47	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	09:32:08	01:15:25	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मीन	03:21:31	00:05:08	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	15:09:17	00:02:49	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	15:09:17	00:02:49	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:19:45	00:00:45	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:37:40	00:01:21	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:06:25	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	02:39:01	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:22

लग्न-चलित

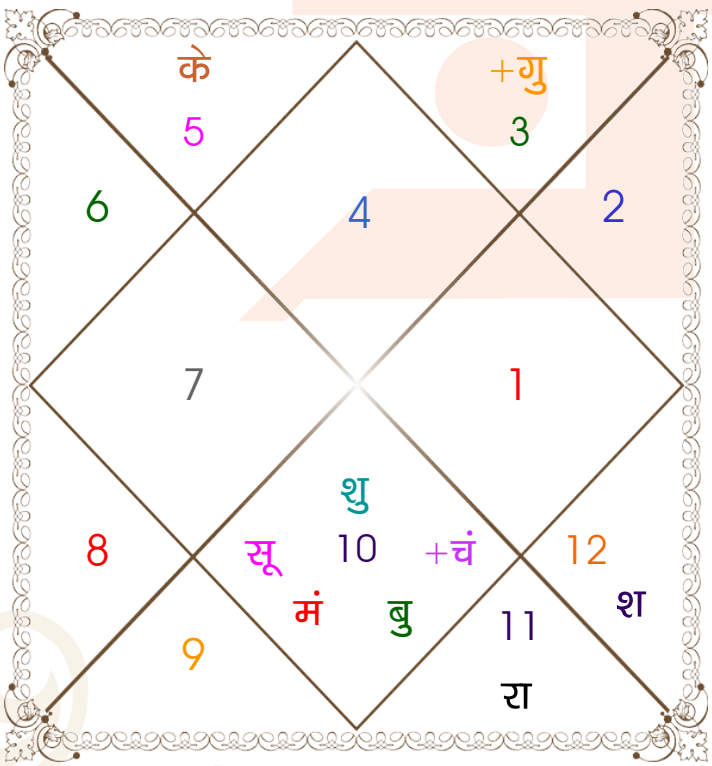

चन्द्र कुंडली

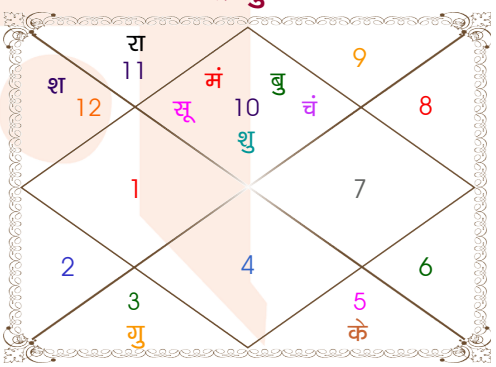

नवमांश कुंडली

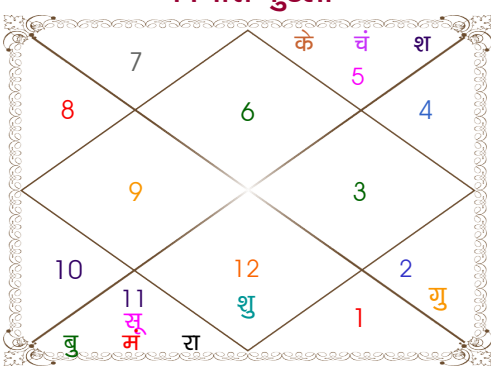

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 7 मास 21 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
20/01/2026		12/09/2031		11/09/2049		11/09/2065		11/09/2084	
12/09/2031		11/09/2049		11/09/2065		11/09/2084		12/09/2101	
	20/01/2026	राहु	25/05/2034	गुरु	30/10/2051	शनि	14/09/2068	बुध	08/02/2087
राहु	26/02/2026	गुरु	18/10/2036	शनि	13/05/2054	बुध	25/05/2071	केतु	05/02/2088
गुरु	02/02/2027	शनि	25/08/2039	बुध	18/08/2056	केतु	03/07/2072	शुक्र	06/12/2090
शनि	12/03/2028	बुध	13/03/2042	केतु	25/07/2057	शुक्र	03/09/2075	सूर्य	12/10/2091
बुध	10/03/2029	केतु	31/03/2043	शुक्र	25/03/2060	सूर्य	15/08/2076	चंद्र	13/03/2093
केतु	06/08/2029	शुक्र	31/03/2046	सूर्य	11/01/2061	चंद्र	16/03/2078	मंगल	10/03/2094
शुक्र	06/10/2030	सूर्य	23/02/2047	चंद्र	13/05/2062	मंगल	25/04/2079	राहु	26/09/2096
सूर्य	11/02/2031	चंद्र	24/08/2048	मंगल	19/04/2063	राहु	01/03/2082	गुरु	02/01/2099
चंद्र	12/09/2031	मंगल	11/09/2049	राहु	11/09/2065	गुरु	11/09/2084	शनि	12/09/2101

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
12/09/2101		12/09/2108		12/09/2128		13/09/2134		12/09/2144	
12/09/2108		12/09/2128		13/09/2134		12/09/2144		00/00/0000	
केतु	08/02/2102	शुक्र	13/01/2112	सूर्य	31/12/2128	चंद्र	14/07/2135	मंगल	08/02/2145
शुक्र	11/04/2103	सूर्य	12/01/2113	चंद्र	01/07/2129	मंगल	12/02/2136	राहु	21/01/2146
सूर्य	16/08/2103	चंद्र	13/09/2114	मंगल	06/11/2129	राहु	13/08/2137		00/00/0000
चंद्र	16/03/2104	मंगल	13/11/2115	राहु	01/10/2130	गुरु	13/12/2138		00/00/0000
मंगल	13/08/2104	राहु	12/11/2118	गुरु	20/07/2131	शनि	13/07/2140		00/00/0000
राहु	31/08/2105	गुरु	13/07/2121	शनि	01/07/2132	बुध	13/12/2141		00/00/0000
गुरु	07/08/2106	शनि	12/09/2124	बुध	07/05/2133	केतु	14/07/2142		00/00/0000
शनि	16/09/2107	बुध	14/07/2127	केतु	12/09/2133	शुक्र	13/03/2144		00/00/0000
बुध	12/09/2108	केतु	12/09/2128	शुक्र	13/09/2134	सूर्य	12/09/2144		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 5 वर्ष 7 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि के कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति के आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगें। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगे। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगे। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगे।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगे। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़े भाग्यशाली होंगे।

आप गौरवर्ण के लम्बे दीर्घकाय प्राणी होंगे। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगे। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाले पेटू प्राणी हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपका सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग के अनुगामी होंगे।

आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्ति है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करते हैं। आप निःसन्देह अपनी पत्नी से प्यार करते हैं। परन्तु आप घरेलू मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहते ताकि अपनी पत्नी के साथ कोई गलती न हो जाए।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपनी पत्नी के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़की के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्वनिर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होते हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।